सत्र 2023–24 चतुर्दश संस्करण (जनवरी–जून)

माधव सन्देश

केशव नगर, मोदीनगर रोड़, हापुड़–245101 (उत्तर प्रदेश)

उच्च शिक्षा समग्र चिन्तन

आदर्श नागरिक निर्माण में शिक्षा भारती के बढ़ते कदम

महाविद्यालय परिचय

श्री माधव कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी का मुख्य भवन शिक्षा भारती के 20 एकड़ के परिसर में केशव नगर, मोदीनगर मार्ग, हापुड में स्थित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आसानी से पहुंचा जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में अपना महाविद्यालय विशिष्ट प्रकार का संस्थान है, जो विभिन्न कोशलों में छात्रों को पारंगत करने के साथ छात्रों को रोजगार के अवसर भी सुलभ कराता है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबंध तथा एन.सी.टी.ई. दिल्ली से मान्यता प्राप्त शिक्षा स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम में 200 सीटों तथा बी. ए. में 120, बी. कॉम. में 60, बी. एस. में 120 सीटों पर प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। विद्यार्थियों को खेलकूद तथा साहित्य एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ नैतिक शिक्षा, आध्यात्मिक शिक्षा, योग, संस्कृत, संगीत, व्यवसायिक शिक्षा के माध्यम से उनका का सर्वांगीण विकास किया जाता है।

"सिर्फ किताबी ज्ञान ही शिक्षा नहीं होती अपितु हमारा मानसिक विकास भी सफलता के लिए आवश्यक है। सिर्फ कल्पना करने से हमें सफलता नहीं मिल सकती उन सफलताओं को पूरा करने के लिए हमें कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। "

महाविद्यालय अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में उच्च मानवीय मूल्यों की स्थापना करने तथा सामाजिक गतिशीलता और विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है, परिणाम स्वरूप आज महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के उच्च स्तरीय महाविद्यालयों की श्रेणी में गिना जाता है। महाविद्यालय को इस स्तर तक पहुंचाने में हमारे अनुभवी प्राचार्य एवं योग्य शिक्षकों का योगदान विशेष रूप से सराहनीय है। मैं सभी को इसके लिए धन्यवाद देता हूं। भविष्य में भी कलात्मक एवं शैक्षिक संवर्धन के साथ वैज्ञानिक प्रणाली से उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए अपने प्रयत्नों और प्रयासों से महाविद्यालय प्रगति पथ पर सदैव अग्रसर होता रहेगा।

– ओम प्रकाश गोयल, अध्यक्ष

"शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को सीखना नहीं होता है बल्कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मस्तिष्क को प्रशिक्षित करना होता है।"

सर्व विदित है कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्र की महत्वकांक्षा रहती है कि वह शिक्षण के क्षेत्र में जाये, क्या शिक्षण के क्षेत्र में जाने का उद्देश्य मात्र जीविका उपार्जन ही है? अथवा शिक्षण के माध्यम से समाज रचना भी है? मेरा विचार है कि शिक्षक को जीविकोपार्जन के उद्देश्य को द्वितीय मानकर समाज रचना को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिक्षक मात्र परीक्षा पास कराने वाला एवं परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने वाला ही न रहे, बल्कि अपने छात्र/शिष्य की सर्वांगीण उन्नति करने की चिंता भी करें। उसके शिष्य का चरित्र उत्तम हो, वह स्वावलंबी, स्वाभिमानी तथा प्रमाणिक देशभक्त बने। समाज के दुर्बल वर्ग की सेवा उस जीव का मुख्य लक्ष्य हो। वह नैतिकता, आध्यात्मिकता एवं योग का सहारा लेकर शारीरिक दृष्टि से योग्य हो तथा संगीत और संस्कृत में उसकी अभिरुचि हो। ज्ञान में किए गए निवेश से सबसे उत्तम लाभ प्राप्त होता है। व्यवसायिक शिक्षा में वह निपुण बने एवं संसार का सामान्य ज्ञान उसे प्राप्त हो। जब भी इस प्रकार के सर्वगुण संपन्न नागरिक बनाने का संकल्प लेकर हमारा छात्र शिक्षण जगत में जाएगा तो निश्चित ही देश और समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे।

– श्रीमती स्वाति गर्ग, सचिव

"हमे ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र बने, मानसिक विकास हो, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके।" — स्वामी विवेकानंद

शिक्षा सभी के जीवन में सफलता की कुंजी है, और शिक्षक अपने छात्रों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालते हैं, जिससे वह अपने जीवन में सफल होते हैं। एन.ई.पी.2020 गाइडलाइन के अनुसार हम अपने भावी शिक्षकों तथा वर्तमान छात्रों का निर्माण करने में अपना शत प्रतिशत देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे आने वाले समय में समाज में एक मजबूत स्तंभ के रूप में खड़े रहे वह बदलते परिवेश के अनुसार समाज व देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

—कुलदीप कसाना
(संयुक्त निदेशक – शिक्षा भारती)

" शिक्षा का सही उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का सही ज्ञान होना है ! शिक्षा न केवल समाज बल्कि मानवीय मूल्यों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। "नेलसन मंडेला के अनुसार डिग्री और प्रमाण पत्र देने के अलावा शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसके द्वारा आप दुनिया को बदल सकते हैं।"

अपनी दृष्टि और मिशन को पूरा करने के लिए हम अपने राज्य में शैक्षणिक परिदृश्य की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, यहां हम अपने छात्रों के सभी कौशल विकसित करने के लिए समर्पित हैं, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारा कॉलेज हमारे छात्रों को शिक्षण और सीखने में आवश्यक हर चीज से लैस होकर विकसित होने और बढ़ने का मौका देता है। मैं कामना करता हूं कि सभी छात्र अपने करियर में शानदार सफलता प्राप्त करें और अपने भविष्य के जीवन में समृद्धि प्राप्त करें।

—डॉ. मुनेश कुमार शर्मा
(प्राचार्य)

जून माह में आयोजित गतिविधियां –

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनांक 05.06.2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। श्री कुलदीप कसाना(सह– निदेशक, शिक्षा भारती) ने महाद्यिालय सदस्यों को सम्बोधित करते हुए अपने उद्बोयधन में कहा कि प्रकृति संरक्षण और संर्वधन हेतु पौधारोपण अनिवार्य हैं वर्ष में एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देख रेख भी अनिवार्य रूप से करनी चाहिए वर्तमान समय में मौसम की अस्थिरता पर्यावरण विघटन के कारण है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने मिलकर पौधारोपण किया।

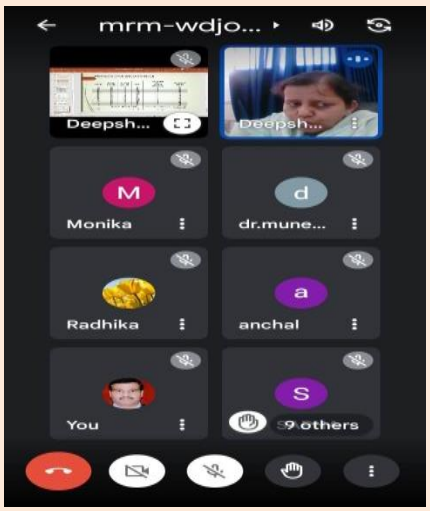

अतिथि व्याख्यान (पीओ–सीओ मैपिंग)

दिनांक 12.06.2024 को बी.एड विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। वक्ता डॉ दीपशिखा सक्सेना, विभागाध्यक्ष एवं डीन, शिक्षा विभाग, मंगलायतन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने पाठ्यक्रम में कार्यक्रम परिणामों और पाठ्यक्रम परिणामों के मानचित्रण की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन आयोजित किया गया था। वक्ता ने पाठ्यक्रम में पीओ और सीओ मैपिंग की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पीओ और सीओ मैपिंग मैट्रिक्स में प्राप्ति स्तरों के बारे में भी बहुत प्रभावशाली ढंग से चर्चा की।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक 21.06.2024 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अन्तर्गत योग प्रशिक्षक शुभम शर्मा ने विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया, जैसे सूर्य नमस्कार और प्रणायाम, व्रजासन, उष्ट्रासन, भुजांगासन ताडांसन आदि। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ व छात्र छात्राएं उपस्थिति रहे। योग प्रशिक्षक ने बताया कि योग करने से अनेक बिमारियों से बचा जा सकता है व मन की शान्ति तथा स्वास्थ के लिए अत्यन्त लाभकारी है। योग करने से मन स्थिर होता है। शरीर के स्वस्थ रहने से ही मन और आत्मा को शान्ति, व सन्तोष मिलता है। प्राचार्य डॉ० मुनेश कुमार शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा योग के माध्यम से इन्द्रियों पर नियन्त्रण किया जा सकता है। मन को एकाग्र कर सकते है। प्रतिदिन योग करके हम शरीर को रोग मुक्त कर सकते है।

अतिथि व्याख्यान (प्रो० गिरीश कुमार)

दिनांक 26.06.2024 को विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान मेरठ प्रान्त के द्वारा तथा श्री माधव कॉलिज ऑफ एजूकेशन एण्ड टैक्नोलोजी, केशव नगर, मोदीनगर रोड, हापुड़ के सौजन्य से "रामचरित मानस में शिक्षा दर्शन" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया जिसके मुख्य वक्ता प्रो० गिरीश कुमार वत्स (प्राचार्य, श्री द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय दनकौर, गौतमबुद्ध नगर) ने अपने वक्तव्य मे कहा कि राम हमारी संस्कृति के उत्कर्ष हैं, राम हमारी श्रद्धा है विश्वास हैं, राम हमारी शिक्षा है राम हमारी आस है। राम साधारण व्यक्ति के रूप में कार्य करते हुए भगवान के रूप में परिणित हो गये। उन्होंने ज्ञान के द्वारा कर्म अकर्म का बोध कराया। कर्म मनुष्य के हाथ में है और फल ईश्वर के हाथ में। हमारे वेदों में कर्मप्रधान जीवन की शिक्षा दी गई है।

मई माह में आयोजित गतिविधियां –

प्रिंसिपल समिट – एनईपी 2020

दिनांक 12.05.2024 को प्रिंसिपल समिट एनईपी 2020 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आदरणीय अतिथियों द्वारा देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसी क्रम में महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ सचिन कुमार ने महाविद्यालय का परिचय सभी के समक्ष प्रस्तुत किया तथा शिक्षा भारती के चल रहे प्रकल्पों की झलक भी साझा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ नितिन त्यागी, सहायक प्रोफेसर (कु. मायावती गर्ल्स पीजी कॉलेज, गौतम बुद्ध नगर) ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रशासनिक पद पर रहते हुए प्राचार्य व निदेशक में सहजता एवं सरलता का भाव होना चाहिए। अपने विचारों को न छिपाते हुए बल्कि अपनी कमियों को साझा करते हुए खुले व्यवहार वाला व्यक्ति बनना आवश्यक है। संस्थान का अच्छा वातावरण बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अच्छी टीम को बनाए रखने के लिए समय पर वेतन वृद्धि भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। प्राचार्य को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि लोग लंबे समय तक संस्थान में बने रहें। उन्होंने प्रभावी शिक्षण शास्त्र पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रभावी शिक्षण शास्त्र फैशन की तरह परिवर्तनशील है। शिक्षकों को प्रशिक्षित होकर प्रभावी शिक्षण शास्त्र का प्रयोग करना चाहिए।

अप्रैल माह में आयोजित गतिविधियां –

भाषा कार्यशाला

दिनांक 09.04.2024 से 13.04.2024 तक भाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। चूंकि भाषा विचारों को समझने, चिंतन और मनन करने के साथ–साथ अभिव्यक्ति और संचार का माध्यम है, इसलिए भाषा दक्षता में क्षमता को बढ़ाना विद्यार्थी–अध्यापकों की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, चाहे वे जिस भी विषय को पढ़ाने जा रहे हों। इसलिए अंग्रेजी भाषा के बुनियादी नियमों को समझने और लागू करने के लिए उनके संज्ञानात्मक और मनोप्रेरक पहलुओं का उच्च स्तर पर उपयोग करने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला के उद्देश्य को पूरा करने के लिए अंग्रेजी शिक्षाशास्त्रके व्याख्याता ने विद्यार्थी–अध्यापकों को दिन–प्रतिदिन अंग्रेजी भाषा के बुनियादी नियमों और संरचनाओं से परिचित कराया।

मार्च माह में आयोजित गतिविधियां –

पूर्व छात्र सम्मेलन कार्यक्रम

दिनांक 23.03.2024 को पूर्व छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व छात्र मिलन समारोह की शुरुआत पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ. नितिन त्यागी के स्वागत भाषण से हुई। बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. सुशील कुमार उपस्थित थे। पूर्व छात्रों के साथ बातचीत सत्र के दौरान नए अध्यक्ष का चुनाव शुरू हुआ उन्होंने विभिन्न उत्तीर्ण बैचों को जोड़ने की योजना की तैयारी के बारे में प्रेरक बातें कीं। छात्रों ने प्लेसमेंट के संबंध में कई प्रश्न पूछे और पूर्व छात्रों ने अपने विचार साझा किए।

स्काउट–गाइड शिविर

दिनांक 26.03.2024 को स्काउट–गाइड शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में भारत स्काउट–गाइड के जिला प्रशिक्षक श्री श्रीप्रकाश शर्मा ने दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. मुनेश कुमार शर्मा ने बताया कि यह हमारे दो वर्षीय पाठ्यक्रम का विशेष अंग है। इस शिविर में प्रतिभाग करने से नैतिकता, सहयोग व देशभक्ति की सकारात्मक भावनाएं विकसित होंगी। सभी विद्यार्थियों से इस शिविर में पूर्ण उपस्थिति के साथ प्रतिभाग करने को कहा गया।

कार्यशाला (बैंकीय अधिकार व कार्य)

दिनांक 28.03.2024 को छात्रों को बैंकीय अधिकारों व कार्यों, बैंकीय रीतियों व बैंक की नीतियों की जानकारी देने हेतु श्री रोशन लाल वित्तीय साक्षरता सलाहकार केनरा बैंके हापुड़ से पधारे। उन्होनें बताया बैंक में खाता खोलने के लिए कम से कम आयु 10 वर्ष होनी चाहिए। यदि किसी की आयु 10 वर्ष से कम है तो वह परिवार के साथ संयुक्त खाता खोल सकता है। 18 वर्ष की आयु होने पर व्यक्ति अपना निजी खाता खोल सकता है। व्यक्तिगत खाता वही व्यक्ति खोल सकता है जो या तो नौकरीपेशा हो या व्यापारी हो। स्कॉलरशिप के लिए छात्र जिस आयु में अध्ययन कर रहे हैं उस आयु में ही खाता खोल सकते हैं। फिक्स्ड डिपोजिट में ज्यादा ब्याज मिलता है। RD कराने के बाद हर महीने पैसे

जमा करने होते हैं। चालू खाता केवल व्यापारियों के लिए होता है, वे एक दिन में 10 बार पैसे का लेनदेन कर सकता है। उन्होनें ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग, ATM, Paytm तथा अन्य लेने देन के सभी माध्यमों पर चर्चा की।

कला एवं शिल्प प्रदर्शनी

दिनांक 29.03.2024 को गुरुकुल महाविद्यालय, ततारपुर का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव जो कि इस महोत्सव का 60वां संस्करण था, आयोजित किया गया। इस अवसर पर कला एवं शिल्प प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ गुरुकुल में यजुर्वेद पारायण यज्ञ से हुआ, जिसमें सभी ने भाग लिया। इसके पश्चात प्रत्येक प्रतिभागी ने अपने–अपने हाथों से बनाई गई वस्तुओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया।

चिकित्सा शिविर

दिनांक 30.03.2024 को एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल और निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। चिकित्सा शिविर सुबह 9.00 बजे उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सौरभ गोयल, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस ने अपने भाषण के माध्यम से, उन्होंने मौसम में बदलाव के कारण होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं और बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा की। उन्होंने सामान्य स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी और उन्हें बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल और व्यक्तिगत स्वच्छता पर परामर्शदिया। लगभग 177 छात्रों ने शिविर में भाग लिया और इसका लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर एक बड़ी सफलता थी जिसे छात्रों और संकाय सदस्यों से भारी प्रतिक्रिया और सहयोग मिला।

फरवरी माह में आयोजित गतिविधियां –

विज्ञान प्रदर्शनी

दिनांक 28.02.2024 को नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन के सम्मान में हर साल भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कॉलेज द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी रुचि और कौशल के अनुसार अद्भुत विज्ञान परियोजनाएं प्रस्तुत कीं।

जनवरी माह में आयोजित गतिविधियां –

आचार्य व प्राचार्य प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम

दिनांक 02.01.2024–06.01.2024 को अन्तर विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केन्द्र काशी हिन्दु विश्वविद्यालय वाराणसी व विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में पाँच दिवसीय आचार्य व प्राचार्य प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। जिसमें प्रो० अखिलेश जी राष्ट्रीय मंत्री, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान ने अपने वक्तव्य में बताया कि विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान से 55 महाविद्यालय संलग्न है। जिनके द्वारा गुणवत्तापरक शिक्षण व NEP का अनुपालन हो रहा है, जिसके तहत यह 5 दिवसीय कार्यक्रम हो रहा है। प्रो० शिवराज सिंह जी ने बताया कि प्रान्तीय संरचना में हमारे द्वारा संस्थान, छात्र व शिक्षक क्रेडिट विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे है। पूर्व में अनेक स्थानों पर शिक्षक संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए गए है। प्रो० एन०के०तनेजा,

महामंत्री विद्या भारती की राष्ट्रीय संरचना से अवगत कराते हुए NEP 2020 की परिकल्पना आतमसात करने के सूत्र बताते हुए कहा कि हमें ऐसे छात्र का निर्माण करना है जो समग्र विश्व के स्तर का हो। प्रो० बी० के० त्यागी जी ने बताया कि शिक्षक के दायित्व NEP 2020 के परिपालन में और भी महत्वपूर्ण हो जाते है। शिक्षक छात्र समन्वय समाज कल्याण के भाव से हो। शिक्षक छात्रों के साथ पुत्रवत व्यवहार करे काशी हिन्दु विश्वविद्यालय की प्रो० दिप्ती गुप्ता व डॉ० अनिल सिंह ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थित केन्द्र के द्वारा पूरे भारत में चलाए जा रहे शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सांझा किया। प्रो० लोकेश जिन्दल ने बताया कि विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा पूरे देश में विभिन्न प्रशिक्षण वर्गों के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों व संस्थानों को जागरुक किया जा रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता जागरुकता दिवस

दिनांक 25.01.2024 को राष्ट्रीय मतदाता जागरुकता दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ० मुनेश कुमार शर्मा ने कहा हमें मतदान अवश्य करना चाहिए यह हमारा राष्ट्रीय अधिकार है। एक–एक वोट से ही राष्ट्र परिवर्तन होता है। मतदाता राष्ट्र का भाग्य विधाता होता है। आने वाली सरकार कौन सी होगी इसका निर्णय मतदाता अपनी वोट की चोट से करके दिखाता है।

उच्च शिक्षा का उत्कृष्ट संस्थान

श्री माधव कॉलिज ऑफ एजुकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी

फोन नं0 – 9410442761, 0122–2300318

Email: smcethapur@gmail.com

Web: www.smcethapur.in